1. **श्रीनिवास रामानुजन**: भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा महान गणितज्ञ की यात्रा पर आधारित पुस्तक **'रामानुजन: जर्नी ऑफ ए ग्रेट मैथमेटिशियन'** का विमोचन किया जाएगा, जिसके बाद **'रामानुजन की विरासत'** पर एक पैनल चर्चा आयोजित की जाएगी।
   - **श्रीनिवास रामानुजन के बारे में**: इनका जन्म 22 दिसंबर 1887 को एरोड, तमिलनाडु, भारत में हुआ था।
     - इन्होंने 1911 में अपना पहला शोध पत्र प्रकाशित किया और 1913 में जी. एच. हार्डी के साथ पत्राचार प्रारंभ किया, जिसके परिणामस्वरूप मद्रास विश्वविद्यालय से छात्रवृत्ति और ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज से अनुदान प्राप्त हुआ।
     - 1918 में रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन के लिए निर्वाचित हुए और **ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज के पहले भारतीय फेलो** बने।
   - **गणित में योगदान**:
     - **योगदान**: इन्होंने 16 वर्ष की आयु तक अवकलन गणित (Differential Calculus) में महारत हासिल कर ली थी।
       - ✓ इन्होंने अनंत श्रेणी, गणितीय विश्लेषण, संख्या सिद्धांत और निरंतर भिन्नों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
       - ✓ विभाजनों के सिद्धांत, माड्यूलर रूपों और हाइपरज्योमेट्रिक श्रेणियों के सिद्धांत पर कार्य किया, और **जी. एच. हार्डी** के साथ अभाज्य संख्याओं एवं रीमैन ज़ेटा फलन की परियोजनाओं पर कार्य किया।
       - ✓ उनका अनंत π (पाई) श्रेणी वाला कार्य उनकी सबसे बहुमूल्य खोजों में से एक है।
     - **रामानुजन सिद्धांत**: यह पूर्णांकों और उनकी विशेषताओं के अध्ययन से संबंधित है। यह पूर्णांकों और उनकी विशेषताओं के अध्ययन पर केंद्रित होने के कारण विशिष्ट माना जाता है।

2. **पद्म पुरस्कार**: राष्ट्रपति ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए 139 में से 71 व्यक्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए। इन पुरस्कारों में **पद्म विभूषण**, **पद्म भूषण**, और **पद्म श्री** शामिल हैं, जिनकी घोषणा 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की गई।
   - **पद्म पुरस्कारों के बारे में**: 1954 में स्थापित, ये भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक हैं, जिनकी घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) को की जाती है।
     - **उद्देश्य**: कला, साहित्य, शिक्षा, विज्ञान, लोक प्रशासन, सामाजिक कार्य, चिकित्सा, सिविल सेवा, खेल, व्यापार आदि विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान को मान्यता देना।

- **श्रेणियाँ**: **पद्म विभूषण** – असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए, **पद्म भूषण** – उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए, **पद्म श्री** – विशिष्ट सेवा के लिए।
- **पात्रता**: यह सभी व्यक्तियों के लिए खुले हैं, चाहे उनकी जाति, व्यवसाय, पद या लिंग कुछ भी हो। **डॉक्टरों और वैज्ञानिकों को छोड़कर** सार्वजनिक उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारी इन पुरस्कारों के लिए **पात्र नहीं** हैं।
  - ✓ पुरस्कारों के प्राप्तकर्ताओं की अनुशंसा **पद्म समिति (जिसकी अध्यक्षता कैबिनेट सचिव करते हैं)** द्वारा की जाती है, जिसे प्रधानमंत्री को प्रस्तुत किया जाता है, और पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

3. **राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (NMNF):** हाल ही में, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **NMNF** के अंतर्गत **बायो-इनपुट संसाधन केंद्र (BRCs)** स्थापित करने के लिए नई दिशानिर्देश जारी कीं।

- **BRCs के बारे में**: NMNF का हिस्सा, नवंबर 2024 में शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता को कम करना है।
  - क्लस्टर-स्तरीय उद्यम हैं जो जैविक उर्वरक, जैव कीटनाशक और प्राकृतिक वृद्धि संवर्धक जैसे जैव-उत्पाद जैसे प्रदान करते हैं ।
  - ये ज्ञान केंद्र के रूप में कार्य करते हैं, जो प्राकृतिक खेती के तौर-तरीकों और स्थानीय मृदा व फसलों के अनुसार जैव-इनपुट के उचित उपयोग पर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।
- **NMNF**: यह कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन एक स्वतंत्र केंद्रीय प्रायोजित योजना है।
  - **उद्देश्य**: भारत में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना, विशेष रूप से भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (BPKP) ढांचे को सशक्त बनाना।
  - **प्रभाव क्षेत्र**: NMNF का लक्ष्य 15,000 क्लस्टरों का विकास करना है, जो 7.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करेंगे, प्रत्येक क्लस्टर में 50 या अधिक किसान शामिल होंगे।
  - **वित्तीय सहायता**:कुल बजट ₹2,481 करोड़, जिसमें 2025-26 तक केंद्र सरकार से ₹1,584 करोड़ और राज्यों से ₹897 करोड़ मिलेंगे।

4. **स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI)**: हाल ही में SIPRI की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि **2024 में भारत का सैन्य व्यय पाकिस्तान के रक्षा व्यय से लगभग नौ गुना अधिक था**, जबकि चीन का व्यय भारत के व्यय से **चार गुना से अधिक** है। **भारत विश्व का पाँचवाँ सबसे बड़ा सैन्य व्ययकर्ता** है।

- **SIPRI के बारे में**: यह एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है जो संघर्ष, हथियार, हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण पर शोध के लिए समर्पित है।
  - **स्थापना वर्ष**: 1966
  - **दृष्टिकोण (Vision)**: SIPRI एक ऐसे विश्व की कल्पना करता है जहां असुरक्षा के स्रोतों को पहचाना जाता है, संघर्षों को रोका जाता है या उनका समाधान किया जाता है, तथा शांति स्थायी होती है।
  - **आंकड़ों और विश्लेषण का प्रावधान**: SIPRI खुले स्रोतों से प्राप्त आंकड़े, विश्लेषण और अनुशंसाएँ प्रदान करता है, जो वैश्विक सुरक्षा प्रवृत्तियों पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।
  - **लक्ष्य समूह**: SIPRI का शोध नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, मीडिया और आम जनता को सेवा प्रदान करते है, जिससे **सूचित निर्णय-निर्माण और सार्वजनिक विमर्श** में योगदान मिलता है।

5. **सिमिलिपाल टाइगर रिज़र्व**: हाल ही में ओडिशा सरकार ने सिमिलिपाल टाइगर रिज़र्व को भितरकनिका के बाद राज्य का दूसरा राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया, जिससे यह भारत का 107वां राष्ट्रीय उद्यान बन गया।

- **सिमिलिपाल टाइगर रिज़र्व के बारे में**: यह ओडिशा के मयूरभंज जिले में स्थित है। सिमिलिपाल एकमात्र ज्ञात आवास है जहाँ वन्य मेलानिस्टिक बाघ पाए जाते हैं और यह रॉयल बंगाल टाइगर्स, हाथियों, तथा अनेक प्रकार की ऑर्किड प्रजातियों (जिनमें से कई स्थानिक हैं) की समृद्ध आबादी का प्राकृतिक वास है।
  - यह दक्कन प्रायद्वीपीय जैव-भौगोलिक क्षेत्र (छोटानागपुर प्रांत, महानदी क्षेत्र) में स्थित है।
  - यह बरेहिपानी और जोरांदा जैसे सुरम्य जलप्रपातों तथा खैरिबुरु और मेघाशिनी पर्वत शिखरों के लिए प्रसिद्ध है।
  - यह वन साल वृक्ष, आर्द्र पर्णपाती और अर्ध-सदाबहार वनस्पति का मिश्रण है, जो जैव विविधता और वन-आश्रित समुदायों को समर्थन प्रदान करता है।
  - प्रमुख खुरधारी प्रजातियों (Key ungulates) में सांबर, चीतल, बार्किंग डियर, गौर और माउस डियर शामिल हैं।

6. **विश्व के आदिवासी समुदायों की स्थिति पर रिपोर्ट**: हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की '**स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स इंडिजीनस पीपल्स रिपोर्ट**' ने जलवायु अन्याय को उजागर किया, जिसमें यह बताया गया कि जलवायु वित्त और निर्णय-निर्माण से आदिवासी समुदायों को बाहर रखा जा रहा है, जबकि पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

- **प्रमुख निष्कर्ष**:
- **जलवायु अन्याय को उजागर किया**: आदिवासी समुदायों को वैश्विक जलवायु वित्त का 1% से भी कम प्राप्त होता है, जबकि वे जैव विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **आजीविका पर संकट**: जलवायु परिवर्तन इनके कृषि, मत्स्य पालन और वनों पर आधारित आजीविका को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है, जिससे खाद्य असुरक्षा और विस्थापन की स्थिति उत्पन्न हो रही है।
- **स्वास्थ्य और सांस्कृतिक जोखिम**: स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच और पारिस्थितिकीय परिवर्तन के कारण जबरन प्रवासन, इनके **स्वास्थ्य और सांस्कृतिक विरासत** के लिए खतरा बन रहा है।
- **अत्यधिक प्रभाव**: जलवायु परिवर्तन, आदिवासी समुदायों के ऐतिहासिक हाशियाकरण और असमानताओं को और अधिक गहरा कर रहा है।
- **संरक्षण में भूमिका**: वैश्विक जनसंख्या का केवल 6% होने के बावजूद, ये समुदाय पारंपरिक भूमि और संसाधन प्रबंधन के माध्यम से पृथ्वी की 80% शेष जैव विविधता की रक्षा करते हैं।
- **समावेशन की अपील**: रिपोर्ट में यह आग्रह किया गया है कि जलवायु नीति निर्धारण में आदिवासी समुदायों की सार्थक भागीदारी और जलवायु वित्त तक न्यायसंगत पहुंच सुनिश्चित की जाए।

7. **सैंडी के रीफ़**: हाल ही में, दक्षिण चीन सागर में सैंडी के रीफ पर परस्पर विरोधी दावों को लेकर चीन और फिलीपींस के बीच तनाव बढ़ गया।

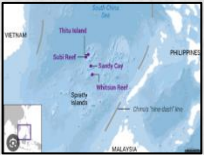

   - फिलीपींस ने एक अंतर्राष्ट्रीय फैसले के समर्थन से अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य सहयोग के बीच चीन के दावे को खारिज कर दिया।
- **सैंडी के रीफ़ के बारे में**:टाईशियन रीफ (Tiexian Reef) के नाम से भी जाना जाना जाता है, यह 200 वर्ग मीटर क्षेत्र का एक भू-भाग है, जो स्प्रैटली द्वीप समूह में स्थित है।
   - यह थीटू द्वीप (Pag-asa Island) के निकट स्थित है, जहाँ फिलीपींस एक सैन्य अड्डा और हाल ही में स्थापित तटरक्षक केंद्र का संचालन करता है।

- चीन इसे एक प्राकृतिक भू-रूप मानता है, जिसे 12 समुद्री मील क्षेत्रीय समुद्र का अधिकार प्राप्त होना चाहिए, जो फिलीपींस के जल क्षेत्र के साथ अतिक्रमण कर सकता है।
- सैंडी के पर नियंत्रण चीन की सूबी रीफ (एक सैन्यीकृत चौकी) के पास उसकी स्थिति को मजबूत कर सकता है।
- हाल ही में चीन के तटरक्षक बल द्वारा नियंत्रण का दावा, अमेरिका-फिलीपींस के संयुक्त सैन्य अभ्यास "बालिकातन" के दौरान सामने आया, जिससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है।

8. **BRICS LEMM 2025 घोषणा**: ब्रिक्स श्रम एवं रोजगार मंत्रियों की बैठक 2025 का समापन एक ऐतिहासिक घोषणा के साथ हुआ, जिसमें कार्य क्षेत्र की चुनौतियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर चर्चा की गई।

- **प्रमुख विषयवस्तु एवं प्रतिबद्धताएँ**:
  - घोषणा दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्रित है: "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कार्य का भविष्य" तथा "कार्य क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और न्यायोचित परिवर्तन"।
  - **समावेशी AI नीतियाँ**: ऐसी नीतियों को बढ़ावा देना जो तकनीकी नवाचार और श्रमिक संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखें, और यह सुनिश्चित करें कि AI से प्राप्त लाभ कार्यबल के बीच **समान रूप से वितरित** हों।
  - **न्यायोचित परिवर्तन हेतु सामाजिक संवाद:** जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन पर संवाद को आगे बढ़ाना, हरित नौकरियों की सुरक्षा और श्रमिकों के लिए न्यायसंगत परिवर्तन सुनिश्चित करना।
  - **दक्षिण-दक्षिण सहयोग**: श्रम प्रशासन, **डिजिटल समावेशन** और हरित रोजगार सृजन पर सहयोग को सुदृढ़ करना।
  - **BRICS के बारे में**: ब्रिक्स उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक अनौपचारिक अंतर-सरकारी समूह है, जिसका उद्देश्य सहयोग और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाना है।
  - **स्थापक सदस्य**: ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन।
  - **2010 में सम्मिलित**: दक्षिण अफ्रीका।
  - **2024 में सम्मिलित**: ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (UAE), मिस्र, इथियोपिया, सऊदी अरब
  - **"BRICS" शब्द** 2001 में अर्थशास्त्री **जिम ओ'नील** द्वारा उनकी रिपोर्ट *Building Better Global Economic BRICs* में गढ़ा गया था।